भजन

तर्ज–आवाज दे के

आवाज दे के हमे तुम बुलाओ
कि दर दर की ठोकर न हमको खिलाओ
आवाज दे के.....

1–बहारों के बदले,गमो ने है घेरा
उठाओ ये बगिया,लगाया क्यों डेरा
बहुत हो चुकी अब न हमको रुलाओ
आवाज दे के....

2–जियें भी तो कैसे,जिया भी न जाये
मिलन हो तुम्हारा ,जुदाई ना भाये
है नैया भवंर में किनारे लगाओ
आवाज दे के....

3–दिखाई जो मंजिल वो मंजिल कहां है
यहां तो है कांटे बहारे कहां है
जहां प्यार बरसे वहां ले के जाओ
आवाज दे के.....